Regd. No. 185

Haryana College Teachers' Assocation

(Affiliated to AIFUCTO)
website : www.hcta.in

Dr. Narender Chahar
President
Vaish College, Bhiwani
Mob. : 098133-26900
Email : narenderchahar11@gmail.com

Dr. Ravinder Gasso
General Secretary
D.A.V. College, Pundri (Kaithal)
Mob. : 094161-10679
Email : gassoravinder@gmail.com

Ref. No..... ***Dated.....***

For Circulation Among Unit Members

(Through website www.hcta.in)

आदरणीय दोस्तो!

19 फरवरी 2013 को एच.सी.टी.ए. के पदाधिकारी डॉ. नरेन्द्र चाहर की अध्यक्षता में श्री एस.एस. प्रसाद, वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, उच्चतर शिक्षा, हरियाणा सरकार से चण्डीगढ़ स्थित उनके दफ्तर में मिले। पंचकूला स्थित डी.जी. दफ्तर में भी सम्बन्धित अधिकारियों से बातचीत की।

मुख्य रूप से 2006 के बाद नियुक्त शिक्षकों की पैन्शन के लिए मैचिंग ग्रांट, टीचिंग-नॉन टीचिंग भर्तियों पर लगी रोक,, सैलरी, मैडिकल-स्कीम आदि मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

1. 2006 के बाद नियुक्त शिक्षकों की पैन्शन के लिए सरकार द्वारा दी जाने वाली मैचिंग-ग्रांट की फाइल वित्त-विभगा ने डी.जी. दफ्तर में भेजी है। ठोस सकारात्मक कार्यवाई करते हुए वित्त-विभाग ने कुछ जरूरी जानकारियां मांगी हैं। इस बारे में कॉलेजों में पत्र आ चुका है। सभी सम्बन्धित से अनुरोध है कि वे कॉलेज से जरूरी सूचनाएँ खासकर कितना पैसा सरकार द्वारा मैचिंग-ग्रांट के रूप में देना बनता है, तुरन्त विभाग को भिजवाएं। डी.जी. दफ्तर से इस सम्बन्धी श्री राकेश भटनागर व मैडम मीनाक्षी से दरयाफ्त किया जा सकता है। साथियो! वित्तायुक्त ने हमें इस कार्य को जल्द से जल्द सम्पन्न करवाने का आश्वासन दिया है, बल्कि उन्होंने नीचे जरूरी निर्देश भी दिए हैं। पिछले कई महीनों की एच.सी.टी.ए. की मेहनत सफल होती दिखाई दे रही है।

2. **नियुक्तियों पर रोक हटी :**

   एच.सी.टी.ए. के अनथक् प्रयासों से हमारे कॉलेजों में 2005 के बाद बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्तियां हुईं। हमने फिर प्रयास किए और पिछले कुछ महीनों में काफी नियुक्तियाँ हुई हैं। लेकिन यह प्रक्रिया 1 फरवरी 2013 के बाद सरकार ने बन्द कर दी थी। कई दिन से हम उच्च स्तर पर प्रयासरत थे। कल वित्तायुक्त ने नियुक्तियाँ खोलने के आदेश दे दिए हैं। अब टीचिंग-नॉन टीचिंग की भर्ती यथावत जारी रहेगी।

   दोस्तो! डी.जी. दफ्तर में हमने यह भी अनुरोध किया है कि 2009 के पहले के खाली पद भरने की भी

अनुमति दी जाए और भर्ती के लिए स्थायी प्रिंसीपल की नियुक्ति की शर्त हटाई जाए। बहुत सारे कॉलेज स्थायी प्रिंपीपल न होने के कारण नियुक्तियाँ नहीं कर पा रहे थे। कुछेक कॉलेजों की प्रबन्ध-समितियाँ भी, नई नियुक्तियों के प्रति उदासीनता दिखा रही हैं। दोस्तों से अनुरोध है कि वे सभी कॉलेजों में टीचिंग/नॉन-टीचिंग की तत्काल भर्ती को सुनिश्चित करें।

2011 के बाद के सभी खाली पद भी भरे जाएं इसके लिए भी हम प्रयासरत हैं।

3. **नए शिक्षकों का प्रमोशन :**

2006 और 2009 के बीच नियुक्त शिक्षकों की प्रमोशन में पीएच.डी., एम.फिल के साथ नैट की शर्त नहीं है-यह बात वैसे तो स्वयं सिद्ध है। लेकिन API के बारे में सम्बन्धित पत्र (सितम्बर 2012) में स्पष्टीकरण करवाने के बाद भी मसला नहीं सुलझ रहा। इसे तत्काल हल करने के लिए हमने डी.जी. दफ्तर को लिखा है। यूनिवर्सिटी स्तर पर भी कार्यवाई हो रही है।

4. सैलरी के बारे में वित्तायुक्त ने फोन किया है लेकिन साथ ही उन्होंने मार्च के बाद वित्त-विभाग से बातचीत कर समस्या के ठोस हल का आश्वासन भी दिया है। मैडिकल-स्कीम के बारे में उन्होंने मार्च के बाद बात करने के लिए कहा है।

सभी दोस्तों से अनुरोध है कि इस पत्र को डाउनलोड कर सभी यूनिटों में भिजवाएं।

आदर सहित!

एच.सी.टी.ए. जिन्दाबाद! शिक्षक एकता जिन्दाबाद!

आपका

डॉ. रविन्द्र गासो